बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2022

वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) 2022

- पहली बार 2010 में लॉन्च किया गया।
- शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर के क्षेत्रों में गरीब लोगों के सामने आने वाले कई अभावों को दर्शाता है।
- MPI, 0 से 1 के बीच होता है और इसका उच्च मान उच्च गरीबी का संकेत देता है।।
- जारीकर्त्ता: संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) और ऑक्सफोर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनीशिएटिव (OPHI)

आयाम और संकेतक

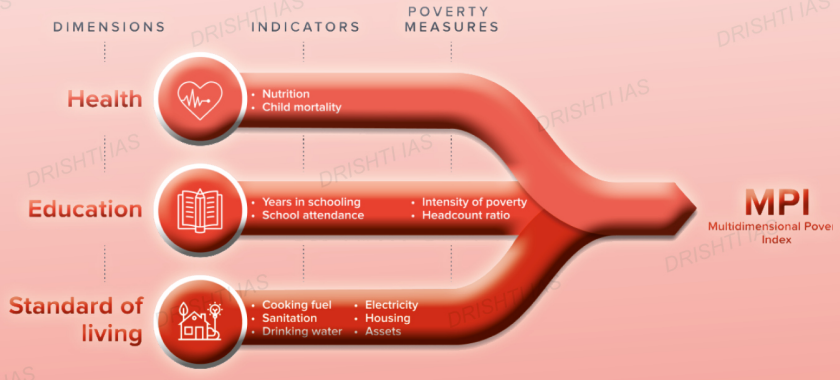

वैश्विक परिदृश्य

- 120 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से ग्रस्त हैं।
  - उनमें से लगभग आधे 18 वर्ष से कम उम्र के हैं।
  - उनमें से अधिकांश उप-सहारा अफ्रीका (57.9 करोड़) में रहते हैं, इसके बाद दक्षिण एशिया (38.5 करोड़) का स्थान आता है।
- भारत में अब तक दुनिया भर में सबसे अधिक गरीब लोग हैं, उसके बाद नाइजीरिया का स्थान है।

भारतीय परिदृश्य

- 22.8 करोड़ बहुआयामी गरीब हैं (9.7 करोड़ बच्चों सहित)।
- 2005-06 और 2019-21 के बीच गरीबों की संख्या में लगभग 41.5 करोड़ की गिरावट आई।
- MPI का मान 2005-06 के 0.283 से गिरकर 2019-21 में 0.069 हो गया और गरीबी का स्तर 55.1% से गिरकर 16.4% हो गया।
- 2015-16 में सबसे गरीब राज्य बिहार में MPI के मान में निरपेक्ष रूप से सबसे तेजी से कमी देखी गई।
- सापेक्ष दृष्टि से सबसे तेज कमी गोवा में थी, इसके बाद जम्मू और कश्मीर, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का स्थान रहा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/multidimensional-poverty-index-2022-1